funds for taking up these lines. They have, however, not allotted the necessary funds so far and it has, therefore, not been possible to implement this scheme.

राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से कोटा तक रेलवे लाइन

*532. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से कोटा तक रेलवे लाइन के निर्माण के लिए सर्वेक्षण किया गया था तथा उसके निर्माण हेतु स्वीकृति दी गई थी; और

(ख) यदि हां, तो क्या पांचवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में इस लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा ?

रेल मंत्री (श्री एल० एन० मिश्र) : (क) और (ख). रेलवे बोर्ड ने 1949 में राजस्थान सरकार को चित्तौड़गढ़ से कोटा (राजस्थान) तक उस रेलवे लाइन बनाने का काम शुरू करने की मंजूरी दे दी थी जिसका भूतपूर्व एम०एस० राजकीय रेलवे, उदयपुर ने 1947 में सर्वेक्षण किया था। चूंकि राजकीय रेलवे का पश्चिम रेलवे में विलय होने वाला था, इसलिए इस परियोजना को शुरू नहीं किया गया। विलय के बाद इस परियोजना का रिकार्ड कहीं खो गया और 1955–56 में नये सिरे से इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण किया गया लेकिन यह प्रस्ताव अर्थ-क्षमा नहीं पाया गया। संसद् सदस्यों और राज्य सरकार से अभ्यावेदन प्राप्त होने पर क्रमशः 1966 और 1969–70 में फिर सर्वेक्षण और मूल्यांकन किया गया लेकिन यह परियोजना तब भी लाभप्रद नहीं पायी गयी।

फिर भी, राजस्थान के मुख्य मंत्री से हाल में एक पत्र प्राप्त होने पर रतलाम से बांसवाड़ा तक प्राथमिकता के आधार पर एक और परियोजना का सर्वेक्षण करने की स्वीकृति दी गयी है।

बीना में रेल सेवा न होने से कर्मचारियों को असुविधा

*533. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जयन्ती जनता एक्सप्रेस बीना नहीं रुकती; और

(ख) यदि हां, तो क्या इससे कोटा तथा आसपास के इलाकों में काम करने वाले कर्मचारियों को कोचीन तथा केरल में अपने घर जाने के लिए रेलगाड़ी पकड़ने में असुविधा नहीं होती ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) और (ख). लम्बे सफर वाले तीसरे दर्जे के यात्रियों के लिए तेज़ गाड़ी की व्यवस्था करने के उद्देश्य से 26 जनवरी, 1973 से नयी दिल्ली और मंगलूर/कोचिन के बीच एक जोड़ी जयन्ती जनता एक्सप्रेस गाड़ी चलायी गयी है। 131 डाउन गाड़ी बीना में नहीं ठहरती। 132 अप जयन्ती जनता एक्सप्रेस केवल सवारी डिब्बों में पानी भरने के लिए बीना में ठहरती है लेकिन यात्रियों को वहां उतरने या चढ़ने की अनुमति नहीं है। कोटा और निकटवर्ती क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारी जो कोच्चिन और केरल जाना चाहते हैं 16 अप/15 डाउन जी०टी०/वातानुकूल एक्सप्रेस गाड़ियों से यात्रा कर सकते हैं। ये गाड़ियां बीना में ठहरती हैं।

Removal of Second Class from Indian Railways

*535. **KUMARI KAMLA KUMARI**: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the second class has been abolished from all the mail and passenger trains; and

(b) if not, the reasons for the delay in abolishing the second class?